

# PROJECT GUIDELINES

For M.A. HINDI 4th Sem Students



DDCE

Education for All

**DIRECTORATE OF DISTANCE AND CONTINUING EDUCATION**

**UTKAL UNIVERSITY, VANIVIHAR**

**BHUBANESWAR-751007**

[www.ddceutkal.ac.in](http://www.ddceutkal.ac.in)

# **Instruction for Project/Dissertation**

## **The Report**

- i. The report should be limited to 30-50 pages (Excluding the acknowledgement, Certificate and other documents).
- ii. The front page should contain the Name of the student, Roll number, Address of DDCE, Utkal University and name of the supervisor.
- iii. Copying in any form is not allowed. If duplication is found in two reports, both reports will be awarded zero for malpractice.
- iv. Students have to submit one copy of the report.
- v. Students should submit the report to the institute on the date of examination.
- vi. Specimen Copy of Project Report format is enclosed.

आवरण पृष्ठ

परियोजना का शीर्षक

डी.डी. सी. ई, उत्कल विश्वविद्यालय की एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए प्रस्तुत  
परियोजना रिपोर्ट सत्र -----

प्रस्तुतकर्ता

नाम

क्रमांक

परियोजना निदेशक

नाम

पदनाम



DDCE

Education for All

दूर एवं निरंतर शिक्षा निदेशालय  
उत्कल विश्वविद्यालय, बाणीविहार  
भुवनेश्वर-751007

**DIRECTORATE OF DISTANCE AND CONTINUING EDUCATION**

**UTKAL UNIVERSITY, VANIVIHAR**

**BHUBANESWAR-751007**

## **CERTIFICATE**

This is to certify that "Title of *the* project" submitted by \_\_\_\_\_ has been prepared under my guidance and supervision.

This project is a bona fide work done by Mr./ Ms. \_\_\_\_\_ and is submitted to Directorate of Distance and Continuing Education, Utkal University, Vani vihar in partial fulfillment for the award of M.A-HINDI degree.

**Signature of the guide**

**Name & Designation**

## **DECLARATION**

I hereby declare that this project report titled,

“ \_\_\_\_\_ ”

Is a bona fide work done by me under the guidance of Mr. /  
Mrs. / Dr. \_\_\_\_\_.

**Signature of the candidate**

**Name-**

**Enrollment No.-**

# **ACKNOWLEDGEMENT**

**Signature of the Student**

## अध्याय-1

### भूमिका

- i. विषय के बारे में एक परिचय
- ii. विषय का औचित्य
- iii. वर्तमान परिदृश्य में विषय की उपयोगिता

## अध्याय-2

### साहित्य की समीक्षा

- i. उस विषय से सम्बंधित सभी सामग्रियों का आकलन
- ii. आकलित सामग्रियों की समीक्षा, तथा क्रमबद्ध रूप से सजाना

## अध्याय-3

### शोध पद्धति

- i. परिकल्पना

- ii. सामग्री संचयन की पद्धति ( आधार ग्रंथों का अध्ययन / इंटरव्यू / प्रश्नावली )

#### अध्याय-4

#### विश्लेषण और व्याख्या

- i. विषय का तार्किक विश्लेषण तथा व्याख्या

#### अध्याय-5

#### निष्कर्ष

- i. विश्लेषण पर आधारित निष्कर्षों की व्याख्या  
ii. निष्कर्षों के आधार पर प्रस्तुत सुझाव

#### परिशिष्ट

- सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि



**M.A. Hindi**  
**4<sup>th</sup> Semester**

**हिंदी परियोजना**

1. कबीरदास अपने समय के एक सच्चे समाजोद्धारक थे ।
2. बिहारी में गागर में सागर भरने की कला मौजूद है ।
3. तुलसीदास एक समन्वयवादी साहित्यकार हैं ।
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र युग प्रवर्तक के रूप में हमारे सामने आते हैं ।
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी आधुनिक हिंदी के जनक हैं ।
6. जयशंकर प्रसाद प्रेम और सौंदर्य के कुशल चितरे हैं ।
7. रामधारी सिंह दिनकर के साहित्य में राष्ट्रीय स्वर सुनायी देता है ।
8. श्रीलाल शुक्ल एक व्यंग्य कथाकार हैं ।
9. मोहन राकेश के साहित्य में कल्पना एवं इतिहास का मिश्रण मिलता है ।
10. उषा प्रियम्बदा नारी अंतर्मन के कथाकार हैं ।
11. तुलसीदास : आदर्श के प्रतिष्ठापक हैं ।
12. प्रेमचंद के साहित्य पर स्वतंत्रता आंदोलन का प्रभाव पड़ा है ।
13. अज्ञेय के काव्य में प्रकृति का सुंदर वर्णन मिलता है ।
14. धूमिल एक मार्क्सवादी साहित्यकार के रूप में हमारे सामने आते हैं ।
15. आचार्य शुक्ल के अनुसार संसार में कविता की आवश्यकता है ।
16. मन्नू भंडारी एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कथाकार हैं ।
17. ओम प्रकाश वाल्मीकि : दलितों के अनुभूति की व्यक्त वाणी ।
18. आधुनिक युग में विज्ञापन की भाषा का स्वरूप ।
19. संचार भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग ।
20. मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी की झलक मिलती है ।